Total Pages : 4

3382-P

B.A. (III Year) (Private) Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper–II

(गद्य)

Time allowed : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक**-**एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

इकाई-I

1. **(i)** गद्य कवियों या लेखकों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है। यह कथन किसका है।

(ii) किसी देश के बाहरी और आन्तरिक भावों को केसे जाना जा सकता है?

इकाई-II

(iii) 'उत्तरा फाल्गुनी' से लेखक का क्या अभिप्राय है?

(iv) 'जायो कुल मंगल बधावनो बजायो सुनि' इस पंक्ति में लेखक किसका उल्लेख कर रहे हैं।

इकाई-III

(v) 'आकाश की छत' के लेखक कौन हैं तथा इनके किन्हीं दो उपन्यासों के नाम बताइये।

(vi) 'आकाश की छत' में नायक का क्या नाम है तथा वह कहाँ फंसा है?

इकाई-IV

(vii) रामकुमार वर्मा के किन्हीं दो एकांकियों के नाम लिखिये।

(viii) 'घोंसले' शब्द को स्पष्ट कीजिए एकांकी के आधार पर।

इकाई-V

(ix) शुक्ल जी ने किस उपन्यास को प्रथम उपन्यास माना।

(x) एकांकी के एक प्रकार 'रेडियो नाटक' को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हमें अपनी रुचि और प्रवृत्ति के अनुकूल विषय चुन लेने चाहिए और विषय पर पूर्ण अधिकार प्राप्त करना चाहिए। हम जिस आर्थिक अवस्था में जिन्दगी बिता रहे हैं, उसमें यह काम कठिन अवश्य है, पर हमारा आदर्श ऊँचा रहना चाहिए। हम पहाड़ की चोटी तक न पहुँच सकेंगे, तो कमर तक तो पहुँच ही जायेंगे, जो जमीन पर पड़े रहने से कहीं अच्छा है।

3. भारत के सांस्कृतिक आदर्शों का उल्लेख 'भारतीय संस्कृति' निबंध के आधार पर कीजिए।

इकाई-II

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

दुरन्त जीवनी-शक्ति है। कठिन उपदेश है। जीना भी एक कला है। लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है। जियो तो प्राण ढाल दो जिन्दगी में, ढाल दो जीवन रस के उपकरणों में ठीक है। लेकिन क्यों? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा।

5. उत्तराफाल्गुनी में तीसवां वर्ष किस तरह वर्णनित किया गया है?

इकाई-III

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

वह उसकी याद में खो गया ओर खोया-खोया सो गया। सोता रहा। उसे ठंडक महसूस हुई। बहुत देर तक तो उसने उसकी उपेक्षा की, किन्तु जब ठंडक बहुत बढ़ गई तो अपनी चादर लेने के लिए उठ पड़ा। चादर रस्सी पर तान रखी थी। इतनी ठंडक पड़ेगी, इसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी।

7. 'आकाश की छत' में मुख्य पात्र की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

इकाई-IV

8. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

डाक्टर साहब, बुरा न मानो तो बात कहूँ। इस घर (सेठ के) में किसी बात की कमी नहीं रहती। तुम तनखा के लिए लड़ो हो। यहाँ का नौकर राजा की तरह रहे है। चाहिए लगन से काम करने की आदत। कुछ करके दिखाओ फिर सेठजी से कहने की जरूरत नहीं होगी।

9. 'इतनी सी बात' एकांकी में आए राष्ट्रभाषा संबंधी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-V

10. एकांकी की प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

11. भारतेन्दु-युग के निबंध और निबन्धकारों का परिचय दीजिए।

खण्ड-स

इकाई-I

12. 'साहित्य का उद्देश्य' निबंध में आए प्रेमचंद के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-II

13. 'भारतीय कला दृष्टि' में किस विषय पर चर्चा की गई है, लिखिये।

इकाई-III

14. 'आकाश की छत' में आए बाढ़ की त्रासदी को अपने शब्दों में लिखिये।

इकाई-IV

15. एकांकी के तत्त्वों का विवेचन कीजिए।

इकाई-V

16. हिन्दी उपन्यास के विकास क्रम पर लेख लिखिये।